हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 179 | देहरादून, सोमवार, 07 जनवरी, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

देश के लिए शुभ है कमल का निशान : सतपाल महाराज 3

हमारे ज्ञान का विशाल भंडार पूरी दुनिया को है समर्पित : राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

स्वामी दर्शनानंद का प्राचीन गुरूकुल परंपरा को पुर्नजीवित करने में है बड़ा योगदान : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 जनवरी , केंद्रीय रक्षा मंत्री, राजनाथ सिंह नेस्वामी दर्शनानन्द गुरूकुल महाविद्यालय, हरिद्वार में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल एवं योग गुरु स्वामी रामदेव की उपस्थित में 'पतंजलि गुरूकुलम' एवं 'आचार्यकुलम' का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि देश में गुरूकुलों में न केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान की जाए, बल्कि भारत की नैतिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के लिए और अधिक गुरुकुल स्थापित किए जाने चाहिए। ऐसे समय में जब विदेशी संस्कृति के अनुकरण के कारण नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है, युवाओं को नैतिक मूल्यों के समावेश के साथ आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए गुरुकुलों को यह दायित्व निभाने के लिए आगे आना चाहिए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती और स्वामी दर्शनानंद का प्राचीन गुरूकुल परंपरा को पुर्नजीवित करने में बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा जिस प्रकार स्वामी रामदेव ने पतंजलि योगपीठ के माध्यम से विश्व में योग और आयुर्वेद को बढ़ावा देने का कार्य किया, उसी प्रकार पतंजलि गुरूकुलम भी शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव का द्योतक बनेगा। गुरूकुलम में बच्चों को शिक्षा के साथ ही संस्कार भी मिलेंगे, जिससे वो एक आदर्श नागरिक के रूप में समाज में अपना योगदान दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुकुल में गुरु अपने छात्रों को अपना कुलवाहक मानकर उन्हें तैयार करते हैं तथा शिक्षित कर उन्हें आदर्श मनुष्य बनाने का काम करते हैं। भविष्य में पतंजलि गुरुकुलम् रूपी गंगोत्री से निकले छात्र भारतीय शिक्षा पद्धति की धर्म ध्वजा को चारों ओर फहराने का कार्य करेंगे। व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण संभव है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में देश में अनेक ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। भगवान राम का भव्य और दिव्य मंदिर बन रहा है। जिसके साक्षी हम सभी 22 जनवरी को बनेंगे। काशी में बाबा विश्वनाथ मंदिर के भव्य कोरिडोर, उज्जैन में महाकाललोक कॉरिडोर, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम का सौंदर्यीकरण हमारी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने राज्य हित में ऐतिहासिक फैसले लेते हुए उत्तराखंड में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया, धर्मांतरण रोकने के लिए भी कानून बनाया गया है। देवभूमि में पहली बार अतिक्रमण के खिलाफ कठोर कदम उठाए गए। इसके साथ ही भ्रष्टाचारियों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। प्रदेश की महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा अब हम देवभूमि में समान नागरिक आचार संहिता को भी लागू करने की तैयारी कर रहे हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, सांसद सुधांशु त्रिवेदी, भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एम0पी0 सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। योग गुरू स्वामी रामदेव एवं आचार्य बालकृष्ण ने भारतीय संस्कृति, गुरूकुलम एवं आचार्यकुलम के इतिहास आदि की जानकारी दी।

गुड न्यूज़ ! इलेक्ट्रिक वाहन से चारधाम यात्रा कराएगी धामी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , पावन बद्री केदार , पवित्र गंगोत्री और यमुनोत्री के दिव्य धाम में शीश झुकाकर पूजन करने की कामना हर हिन्दू की होती है ... लेकिन इस यात्रा में मुश्किलें भी कम नहीं हैं। लिहाज़ा यात्रा के दौरान बुजुर्गों को बेहद कठिनाई भी झेलनी पड़ती है लेकिन अब एक राहत भरी खबर आ रही है जिससे चार धाम यात्रा बेहद सुगम और आसान हो जाएगी। क्योंकि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले राज्य सरकार ने यात्रा मार्ग पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने जा रही है।

आपको बता दें कि प्रदेश सरकार हर तीस किलोमीटर पर एक चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना बना रही है. चार धाम मार्गों पर इलेक्ट्रिक कार और बसों की बैटरियों की क्षमता तय है, इसके साथ ही तय किलोमीटर की दूरी पूरी करने के बाद उन्हें चार्ज करना होता है और चार्जिंग प्वाइंट न होने के कारण इलेक्ट्रिक वाहन स्वामी और वाहन चालक लंबा सफर करने से हिचकते हैं. साथ ही चार धाम रूट की लंबाई लगभग 900 किमी से ज्यादा है और इसके लिए परिवहन विभाग ने ई-चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई है।

वही आरटीओ दफ्तर के अधिकारी बताते हैं कि चार धाम यात्रा मार्गों पर चार्जिंग स्टेशन बनाने का काम गढ़वाल मंडल विकास निगम के द्वारा किया जा रहा है, और आने वाली चार धाम यात्रा में नए चार्जिंग स्टेशन देखने को मिल सकते हैं। तो अगर आप बुजुर्ग हैं और यात्रा करने का विचार बना रहे हैं तो बेफिक्र हो जाइये क्योंकि आपको यात्रा सुगम और सरल बनाने की योजना भी तैयार हो रही है।

इस साल फरवरी में 29 दिन... लीप ईयर में ऐसा क्यों ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , 2024 पिछले तीन सालों से अलग होगा. मतलब लीप ईयर जिसमें 365 की जगह इस साल 366 दिन होंगे. यह तो सब जानते हैं कि हर चार साल में ऐसा होता है. क्या आपने कभी सोचा है कि धरती के घूमने में ऐसा क्या बदलाव आता है जिससे हर चार साल बाद कैलेंडर में एक दिन बढ़ जाता है ? लीप ईयर का यह अतिरिक्त दिन साल के दूसरे महीने यानी फरवरी में जोड़ा जाता है. 29 फरवरी साल का सबसे छोटा दिन होता है. आइए जानते हैं कि लीप ईयर की शुरूआत कब और क्यों हुई?

लीप ईयर में 366 दिन होना क्यों जरूरी?

पहले समझते हैं कि लीप डे की जरूरत क्यों होती है. हमारी पृथ्वी सौर मंडल में सूरज के चक्कर लगा रही है. जब पृथ्वी का एक चक्कर पूरा हो जाता है, तो उसे धरती का एक साल कहते हैं. अब इस एक चक्कर को पूरा करने में पृथ्वी को 365 दिन, 5 घंटे, 48 मिनट और 46 सेकेंड्स लगते हैं. मोटे तौर पर एक साल को 365 दिन लंबा माना जाता है, लेकिन इस अतिरिक्त 5 घंटे, 48 मिनट और 46 सेकेंड्स को ऐसे नहीं छोड़ा जा सकता.

अगर इस समय की गणना नहीं की जाएगी तो फसल का चक्र और मौसम धीरे-धीरे साल के अलग-अलग समय पर होने लगेंगे. एक समय ऐसा भी हो सकता है जब जनवरी में गर्मी और सितंबर में तेज धूप निकलने लगे.वर्तमान में इस्तेमाल होने वाले ग्रेगोरियन कैलेंडर में एक सामान्य साल में मोटे तौर पर 6 घंटे की गणना नहीं की जाती. 4 सालों में यह अतिरिक्त समय लगभग 24 घंटे यानी एक दिन के बराबर हो जाता है. इस तरह हर चार साल बाद एक दिन जोड़कर अतिरिक्त समय की गणित को ठीक कर लिया जाता है. इस एक दिन को जोड़ने से लोगों को सहूलियत होती है.

29 फरवरी था प्रपोज डे

समय के साथ 29 फरवरी सिर्फ गणित का जोड़-तोड़ नहीं रह गया है. दुनियाभर में इस दिन को लेकर कई रीति-रिवाज विकसित हुए हैं. दिलचस्प बात है कि ज्यादातर रिवाज रोमांस और शादी से संबंधित हैं. बताया जाता है कि आयरलैंड में 5वीं सदी में सेंट ब्रिजेट ने सेंट पैट्रिक से कहा था कि महिलाओं को पुरुषों के सामने शादी का प्रस्ताव रखने की अनुमति नहीं है. तब सेंट पैट्रिक ने 29 फरवरी को एक ऐसे दिन के रूप में नामित किया, जिस दिन महिलाओं को पुरुषों को प्रपोज करने की अनुमति होगी. कुछ जगह लीप डे को बैचलर डे के रूप में जाना जाता है.स्कॉटलैंड की रानी ने इस रिवाज में महिलाओं के फायदे के लिए एक नया ट्विस्ट जोड़ा. इसमें कहा गया था कि महिलाएं हर 29 फरवरी को प्रपोज कर सकती हैं. और अगर कोई पुरुष इनकार करता है, तो उसे महिला को जुर्माने के रूप में नया गाउन, दस्ताने या चुंबन देना होगा.

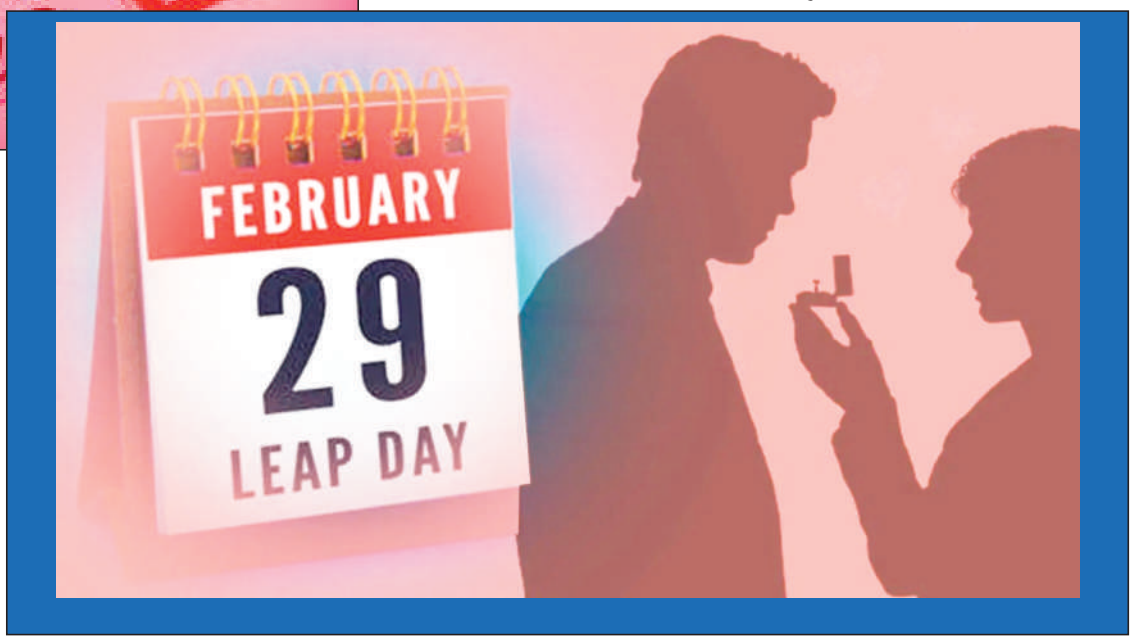

शॉपिंग ऑनलाइन ! ठगी का हो सकते है शिकार, ऐसे करे बचाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , आज के समय में ऑनलाइन शॉपिंग का काफी ज्यादे क्रेज है. ऐसे मे हर कोई कभी न कभी ऑनलाइन शॉपिंग करता है. इसके पीछे कई कारण है. जैसे ज्यादे मात्रा में वराइटी और अच्छे और लुभावने ऑफर. इसी के साथ सामान घर बैठे पास तक आने का गारंटी. ऑनलाइन शऑपिंग करने के लिए हम वेबसाइट पर जाते है और अपने सामान को देखते है उसके बारे में पढ़ते है और उसे ऑर्डर कर देते है. फिर कुछ दिनों के भीतर ही प्रोडक्ट आपके डोरस्टेप कर डिलीवर हो जाता है.

इन सबके इतर क्या आपको पता है कि इन दिनों इंटरनेट पर फर्जी वेबसाइट का जाल बिछा हुआ. ऐसे में पहचान पाना मुश्किल सा हो गया है कि कौन सी वेबसाइट रियल है और कौन सी फेक है. कई खबरें सामने आती है जिसमे सुनने को मिलता है लोग साइबर क्राईम के शिकार हो गए हैं. ठगी के शिकार होने के बाद लोगों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है.हालांकि इन सब घटनाओं से बचा भी जा सकता है. इस आर्टिकल में हम आपको वो उपाय बताने जा रहे है जिससे आप नकली और असली वेबसाईट में फर्क कर सकते हैं. उसके लिए आपको रखना होगा बस ये ध्यान.

URL में https और Lock का निशान जरूर देखें

URL में https और Lock का निशान बताता है कि वेबसाइट फुली सेक्योर है और इस वेबसाइट से खरीददारी की जा सकती है. दरअसल जिस वेबसाईट में URL में https और Lock का निशान होता है उसमे फर्जीवाड़ा की संभावना कम होती है. आपने जो वेबसाइट ओपन की है, अगर उसमें https:// न दिखे तो समझिये कि आप किसी फर्जी साइट पर हैं और तुरंत उस वेबसाइट को बंद कर दीजिए.

कैश ऑन डिलीवरी का नही होता है ऑप्शन

जो भी फर्जी वेबसाइट होती है उसका मोटिव होता है लोगों को ठगी का शिकार बनाना ऐसे में उनके पेमेंट मोड पर कोई भी कैश ऑन डिलीवरी का कोई विकल्प नहीं होता है. हालांकि अमूमन सारी वेबसाइट में कैश ऑन डिलीवरी का विकल्प होता है. वही किसी में नही भी होता तो वो किसी विशेष लोकेशन के लिए नही होता. आप जिस वेबसाइट पर है अगर उसपर भी कैश ऑन डिलीवरी का विकल्प नही है तो आप समझ जाइए कि आप एक फर्जी वेबसाइट पर हैं. ऐसी वेबसाइट से शॉपिंग ना करें.

वेबसाइट के बारे में गूगल में करें सर्च

किसी ऐसी वेबसाइट से आप खरीददारी करने जा रहें है और आप उसके बारे में श्योर नहीं है तो आप उस वेबसाइट को विजिट करने से पूर्व गूगल पर जरुर सर्च करें. अगर गूगल में सर्च के दौरान वेबासाइट के बारे में किसी तरह की कोई जानकारी न मिले तो हो सकता है कि वेबसाइट फर्जी हो.किसी भी अनजान वेबसाइट से शापिंग करने से पूर्व उसके संपर्क स्थापिक करने के पते के बारे में पता लगाएं. दरअसल जो भी फर्जी वेबसाइट है वो किसी भी जगह पर अपना रियल कंटैक्ट इंफॉरमेंशन नही देती है. ऐसे में इस प्रकार की वेबसाइट से शॉपिंग करने से बचें.

गले की खराश को चुटकियों में दूर करेंगे ये उपाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 08 जनवरी : वैसे तो गले में खराश होना एक बहुत कॉमन बात है। लेकिन इसमें गले में होने वाला दर्द, खुजली, व चुभन काफी परेशान करता हैं। इतना ही नहीं कई बार खाना निगलना मुश्किल हो जाता है। इसका कारण सर्दी या फ्लू के कारण होने वाले वायरल इंफेक्शन को माना जाता है। कुछ लोगों में इसकी शिकायत बैक्टीरिया या एलर्जिक रिएक्शन के कारण हो सकता है। कुछ मामलों में गले की खराश दो से तीन दिन में खुद-ब-खुद ठीक हो जाती है। वहीं, कई लोगों में ठीक होने में समय लगता है। इस आर्टिकल में छुटमलपुर से आयुर्वेदिक डॉक्टर अरशद ने बताए गले की खराश को दूर करने के कुछ घरेलू उपाय

(1) हल्दी और नमक के गर्म पानी से गरारे एक गिलास पानी में चुटकीभर हल्द और नमक मिलाकर 5 मिनट के लिए उबाल लें। गुनगुना होने पर उससे गरारे करें। ऐसा दिन में तीन से चार बार कर सकते हैं। इससे इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ गले की खराश से काफी हद तक राहत मिलेगी। गले की खराश को दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

(2) मुलेठी

गले की खराश व चुभन को दूर करने के लिए मुलेठी का इस्तेमाल कई तरीकों से कर सकते हैं। मुलेठी को सादा चबा सकते हैं या फिर एक चम्मच पाउडर मुलेठी को शहद में मिलाकर दिन में दो बार लें। चाहें तो मुलेठी पाउडर को गुनगुने पानी में मिलाकर गरारे भी कर सकते हैं। इससे भी आपको आराम मिलेगा।

(3) आंवला जूस - पुराने समय से गले की खराश के लिए आंवला जूस का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए एक चम्मच आंवला जूस में एक चम्मच शहद को मिलाकर लेने की सलाह दी जाती है। बता दें, आंवला जूस में विटामिन-सी होता है। वहीं, शहद एंटीबैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती है।

(4) मेथी दाना मेथी दाने में एंटी बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं, जो गले में खराश की समस्या से लड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच मेथी दाने को तब तक उबालें जब तक पानी का रंग बदल न जाए। इसके बाद पानी के ठंडे होने पर इसे छानकर पी सकते हैं नहीं तो गरारे कर सकते हैं।

(5) दालचीनी गले में खराश को दूर करने में दालचीनी असरदार हो सकती है। आधा चम्मच दालचीनी या एक छोटे से दालचीनी के टुकड़े को एक गिलास पानी में उबालकर व ठंडे होने पर शहद और नींबू के साथ मिलाकर पीने से भी गले की खराश ठीक हो सकती है।

देश के लिए शुभ है कमल का निशान : सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 जनवरी , देश को मोदी की गारंटी का लाभ मिल रहा है।आगामी लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी 400 सीटों से भी अधिक पर जीत हासिल करेगी। देश के लिए कमल का निशान बहुत ही शुभ है। ये बात प्रदेश के सिंचाई, लोक निर्माण, पर्यटन, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, धर्मस्व एवं संस्कृति सतपाल महाराज ने लोकसभा चुनावों को देखते हुए सुभाष रोड़ स्थित अपने कैम्प कार्यालय के समीप भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दीवार लेखन अभियान (वॉल पेंटिंग) की शुरुआत करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि पूरा संसार कमलमय हो रहा है। लक्ष्मी जी कमल के फूल पर बैठकर प्रकट होती हैं। महाराज ने इस मौके पर कहा कि कमल का निशान धर्मिक होने के साथ-साथ देश के लिए भी बहुत शुभ है। उन्होंने निहंग फकीर सिंह खालसा बाबा स्मरण करते हुए कहा कि अयोध्या में भगवान राम की गद्दी के जिस स्थान पर है उसे सुरक्षित रखने में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री महाराज ने श्री राम मंदिर निर्माण आन्दोलन के बलिदानियों को श्रृद्धांजलि देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी आने वाले लोकसभा चुनावों में 400 से भी अधिक सीटों से विजय का परचम लहराएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुयश रावत, नरेंद्र डंडरियाल, डॉ जेपी सेमवाल, राहुल, सौरव शर्मा, सुमन सिंह, मनोज पटेल, द्वारिका डंडरियाल, दीपक पोखरियाल, अशोक जोशी, नरेंद्र सुंदरियाल एवं देवेंद्र पाल आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के देवभूमि उत्तराखंड आगमन पर जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर स्वागत किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भी देवभूमि आगमन पर स्वागत किया।

हेलीकॉप्टर से गोवर्धन मथुरा की हवाई परिक्रमा कराएगी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार वृंदावन आने की योजना बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए ही है. उत्तर प्रदेश में सत्तासीन योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू कर दी गई है. यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अब हेलीकॉप्टर से गोवर्धन और मथुरा की हवाई परिक्रमा की सुविधा मिलेगी. ये हेलिकॉप्टर सेवा गोवर्धन-मथुरा-वृंदावन-आगरा के बीच शुरू की गई है.

यहां पर बता दें कि उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक वृंदावन में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं. उनकी प्राथमिकता वृंदावन में राधा-कृष्ण के प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन करने की होती है. कई बार तो यहां पर आने वाले लोगों को भीड़ की वजह से भारी जाम का सामना भी करना पड़ता है. यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अब हवाई सेवा की सुविधा मिलेगी, जिससे वह अपनी यात्रा को बिना किसी बाधा के पूरा कर सकेंगे.

क्या है पूरा मामला

मिली जानकारी के अनुसार, गिरिराज जी की परिक्रमा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई है. संबंधित अधिकारियों के मुताबिक, इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा. हाल ही में गोवर्धन में पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस हेलिकॉप्टर सेवा की शुरुआत की. बताया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टर से गोवर्धन और मथुरा की हवाई परिक्रमा की सुविधा मिलेगी. गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में धार्मिक स्थलों पर पहली बार हवाई दर्शन और परिक्रमा की शुरुआत मथुरा से की गई है.

8 सीटर हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

यहां पर बता दें कि उत्तर प्रदेश बृज तीर्थ विकास परिषद द्वारा हेलिपोर्ट अथवा हेलिकॉप्टर की सेवा का काम किया गया है. इस सेवा के शुरू होने पर मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि गोवर्धन में 8 सीटर हेलीकॉप्टर सेवा की शुरुआत हुई. उन्होंने कहा कि भविष्य में भगवान श्रीकृष्ण के इस पवित्र स्थल को चित्रकूट, अयोध्या, काशी और चार धाम की यात्रा से जोड़ा जाएगा.

OMG! ये क्या हुआ...तीन लोगों ने मिलकर खोल दिया फेक SBI बैंक, ऐसे हुआ पर्दाफाश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , कई बार अपराध से जुड़े अजीबो-गरीब मामले सामने आते हैं। अब ऐसे ही एक मामला तमिलनाडु से सामने आया है, जहां तीन लोगों ने मिलकर भारतीय स्टेट बैंक का ब्रांच खोल दिया और ये कोई दो या तीन दिन से ये नहीं चला रहे थे, बल्कि पिछले तीन महीने से एसबीआई की फर्जी ब्रांच खोल रखी था। हालांकि तमिलनाडु पुलिस ने अब इन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। अभी यह खुलासा नहीं हो सका है कि इन तीनों ने कितने कस्टमर्स को ठगा और कितनी रकम की फर्जकारी की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला तमिलनाडु का है जहां तीन लोग मिलकर तीन महीने से फर्जी एसबीआई की ब्रांच चला रहे थे। तमिलनाडु पुलिस ने बताया कि एक असामान्य अपराध में भाग लेने के आरोप में पन्नुति में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों लोग तीन महीने से भारतीय स्टेट बैंक की डुप्लीकेट शाखा चला रहे थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक पूर्व बैंक

कर्मचारी का बेटा भी शामिल है।

पुलिस ने बताया कि फर्जी एसबीआई की ब्रांच खोलने का मास्टरमाइंड कमल बाबू था। बाबू के माता-पिता दोनों पूर्व बैंक कर्मचारी थे। उसके पिता की 10 साल पहले मौत हो गई थी, जबकि उसकी मां दो साल पहले एक बैंक से रिटायर्ड हो चुकीं थीं। एक आरोपी पन्नुति में एक प्रिंटिंग प्रेस चलाता है जबकि तीसरा रबर स्टैम्प छापने का काम करता था। तीनों में से एक व्यक्ति प्रिंटिंग प्रेस चलाता था, जिसके यहां से बैंक से जुड़े सभी नकली चालान और अन्य दस्तावेज छापे जाते थे। इसके साथ ही रबर स्टैम्प वाली दुकान से बैंक के स्टैम्प आदि तैयार करके लगाए जाते थे, ताकि लोगों को इसके फर्जी होने का शक पैदा न हो।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने चुनाव और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए कमर कसी !

इमरान प्रतापगढ़ी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली। 'भारत जोड़ो यात्रा' के सफलतापूर्वक समापन के बाद अब कांग्रेस पार्टी ₹भारत जोड़ो न्याय यात्रा₹ आरंभ कर रही है और साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव के चलते कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने समस्त देश के पदाधिकारियों के साथ राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की। बैठक की शीर्षक ₹हैं तैयार हम₹ रखा गया और इस बैठक में अपनी कमियों और आगे की रणनीति पर विचार और चर्चा की गई। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भारत जोड़ो न्याय यात्रा को कामयाब बनाने तथा जन-जन तक कांग्रेस की नीतियों को पहुंचाने पर जोर दिया। कांग्रेस वरिष्ठ नेताओं में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कहा कि हमारे पास 100 दिन का समय शेष है। इस दौरान हमें जनता से संपर्क करना है और भारतीय जनता पार्टी के देश विरोधी कार्य प्रणाली को भी जनता के सामने बेनकाब करना है। यदि हम कांग्रेस का इतिहास भूल जाएंगे तो हम अंधेरे में ही भटकते रहेंगे। खेड़ा ने कहा इस देश को केवल सेकुलरिज्म ही बचा सकता है।

कांग्रेस का इतिहास सबका साथ सबका विकास रहा है राहुल गांधी ने कभी सेकुलरिज्म के खिलाफ कोई समझौता नहीं किया। वहीं हिमाचल कांग्रेस के प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि इमरान प्रतापगढ़ी ने न केवल कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग में जान फूंकी है बल्कि इस विभाग को हर स्तर पर विस्तार देने का काम किया है। शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को बनाने और खड़ा करने में अल्पसंख्यक समुदाय का अहम योगदान रहा है। इसमें जैन पारसी बौद्ध सिख ईसाई मुसलमान एवं तमाम लोगो को साथ लिया और देश के विकास में अहम योगदान दिया। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने कहा कि देश की आजादी में अल्पसंख्यकों के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस महासचिव तारीख अनवर ने कहां कांग्रेस ने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने का एक इतिहास रचा है। अल्पसंख्यकों को मुख्य धारा से जोड़कर उन्हें सामान्य दर्ज देना कांग्रेस का उद्देश्य रहा है जबकि भारतीय जनता पार्टी इसका उलट करती चली आ रही है। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि केंद्र सरकार में एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं है।

इस अवसर पर कांग्रेस की नवनियुक्त महिला विभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा देश में एक नई जागरूकता पैदा करेगी और इसके द्वारा जो पैगाम समाज में जाएगा यदि हम इसे पहचाने में कामयाब हो गए तो देश का भाग्य बदल सकता है। कांग्रेस एससी एसटी ओबीसी एवं अल्पसंख्यकों के प्रभारी के राजू ने इस मौके पर कहा कि इमरान प्रतापगढ़ी ने जिस तेजी से कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग को आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचा है और समय-समय पर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने कांग्रेस के हर सम्मेलन धरने प्रदर्शन भारत जोड़ो यात्रा भारत जोड़ो मुशायरा भारत जोड़ो बुनकर सम्मेलन देश के कोने-कोने में आयोजित किया है इससे पूरे देश से नए लोगों ने कांग्रेस की तरफ एक नई उम्मीद के साथ देखा है। और उन्हें कार्यकर्ताओं की बदौलत ही देश में एक बहुत बड़ा रूठा हुआ कांग्रेस का वोटर भी वापस आया है जो 2024 लोकसभा चुनाव में भारी असर डालेगा। बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ता जिस तरह से पूरे देश में चुनावो में जाकर कार्य करते हैं और कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग से जिस तरह से आब्जर्वर नियुक्त होकर जाते हैं और अपने निजी संसाधनों से दिन-रात पार्टी के लिए कार्य करते हैं और उम्मीदवारों की चुनाव जीतने में अहम योगदान निभाते हैं वह काबिले तारीफ है। बैठक को संबोधित करते हुए कर्नाटक सरकार मंत्री जमीर अहमद ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होते हुए कहा कि इमरान प्रतापगढ़ी के कार्यकाल में जिस तरह से सभी अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को राष्ट्रीय कमेटी में जगह दी गई है इसे देखकर मालूम होता है कि अल्पसंख्यक विभाग पहले सिर्फ मुसलमानो का विभाग समझा जाता था लेकिन आज इस विभाग में सिख जैन बौद्ध ईसाई महिलाओं की भागीदारी देखकर मालूम होता है कि आज यह कांग्रेस पार्टी का सबसे ज्यादा मजबूत और ताकतवर विभाग है वही दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली ने अल्पसंख्यक विभाग पर कहा कि मेरा बीते 35 साल से ज्यादा का समय कांग्रेस के साथ हो गया है पर जो काम इमरान प्रतापगढ़ी के नेतृत्व में हो रहा है ऐसा काम देख यह लगता है कांग्रेस का अल्पसंख्यक विभाग पांचवा स्तंभ बनकर उभर रहा है। यह काबिले तारीफ है इमरान प्रतापगढ़ी अल्पसंख्यक विभाग को सही दिशा में लेकर जा रहे हैं। साथ ही अरविंद सिंह लवली ने कहा कि भाजपा आज राम के नाम पर जो राजनीति कर रहे हैं वह राम के भी सगे नही हैं इस अवसर पर इमरान प्रतापगढ़ी ने सभी मेहमानों का शुक्रिया किया और अल्पसंख्यक विभाग के सभी पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी।

अपराधी किसी भी राज्य में छुपे हो, सबका जेल जाना तय : एसएसपी देहरादून

- दून पुलिस की सटीक रणनीति से अपराधियों के उड़े होश
- 12 साल से फरार चल रहे अभियुक्त को जालंधर से किया गिरफ्तार
- जमानत लेने के बाद पिछले 12 वर्षों से लगातार चल रहा था फरार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 जनवरी , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा सभी थाना प्रभारियो को विभिन्न अभियोगों में वांछित चल रहे अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु कड़े दिशा- निर्देश निर्गत किए गए हैं, जिसके क्रम में थानाध्यक्ष राजपुर द्वारा थाना राजपुर में पंजीकृत मुकदमा में मा0 न्यायालय से जमानत लेने के उपरांत विगत 12 वर्षों से फरार चल रहे अभियुक्त अजय पुत्र भारत भूषण निवासी गांव नगरा निकट रेलवे फाटक बिजलिपला, थाना बिलगा, जालंधर, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पूर्व माननीय न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी हुए थे, परंतु पुलिस द्वारा अभियुक्त के संभावित ठिकानों में दी गई दबीशो के उपरांत भी अभियुक्त अपनी गिरफ्तारी से बचते हुए लगातार फरार चल रहा था।

अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु एसएसपी देहरादून द्वारा दिए गए निर्देशों पर थाना राजपुर पर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा अभियुक्त के संबंध में सुरागरसी पतारसी करते हुए सर्विलांस के माध्यम से भी जानकारी एकत्रित की गई तथा मुखबिर तंत्र का सक्रिय किया गया। पुलिस द्वारा किये गए अथक प्रयासों से पुलिस टीम को अभियुक्त के जालंधर में छिपे होने की जानकारी प्राप्त हुई। जिस पर तत्काल पुलिस टीम को जालंधर रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा जालंधर में अभियुक्त के संबंध में गोपनीय रूप से जानकारी एकत्रित करते हुए दिनांक 05/01/24 को अभियुक्त अजय पुत्र भारत भूषण को जालंधर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

अभियुक्त के साथी कुलविंदर के जालंधर निवासी संजीव नाम के व्यक्ति की पत्नी के साथ अवैध संबंध थे, जिसके चलते अभियुक्त अपने 04 अन्य साथियों के साथ संजीव को लेकर देहरादून आया तथा राजपुर क्षेत्रान्तर्गत मसूरी रोड पर पुरकुल जाने वाले रास्ते में उसकी हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंक दिया तथा मृतक संजीव की इनोवा कार को लूट कर मौके से फरार हो गए । पुलिस द्वारा उक्त घटना में अभियुक्त अजय सहित उसके 04 अन्य साथियों 1- कुलविंदर सिंह निवासी जालंधर 2- मनजीत सिंह निवासी जालंधर 3- पंकज शर्मा निवासी कांवली रोड देहरादून तथा 4- राहुल कुमार निवासी जम्मू को वर्ष 2012 में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। अभियुक्त अजय माननीय न्यायालय से जमानत प्राप्त करने के उपरांत मा0 न्यायालय में पेश न होकर लगातार फरार चल रहा था। अभियुक्त का कोई स्थाई ठिकाना नहीं था तथा अभियुक्त द्वारा अपने किराये के मकान के पते को ही पहचान पत्र में अपना स्थाई पता अंकित कराया था, जिस कारण उस तक पहुंच पाना काफी मुश्किल था।

नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त :-

अजय पुत्र भारत भूषण निवासी गांव नागरा निकट रेलवे फाटक बिजलिपाला, थाना बिलगा, जालंधर, हाल निवासी - सुभाष नगर, थाना डिवीज़न न0 - 08 जालंधर पंजाब

'मोदी बरगा ईसा प्रधानमंत्री कोए न्हीं आया', 106 वें जन्मदिन पर बोली श्योबाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , आज के समय में जहां लोग 60 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं. छोटी उम्र से ही लोगों को कई तरह की बीमारियां जकड़ लेती हैं. वहीं हरियाणा के हांसी जिले के नजदीक गांव पपोसा की रहने वाली 106 साल की बुजुर्ग महिला श्योबाई जांगडा एकदम फिट हैं. उन्होंने हाल ही में अपना जन्मदिन भजन और नृत्य करके मनाया और वह सबके लिए प्रेरणा बनी हुई हैं.

पीएम मोदी की हैं जबरदस्त फैन

श्योबाई का 106वां जन्मदिन बड़े धूम धाम से मनाया गया. परिजनों ने उन्हें मालाएं पहनाई और श्योबाई ने केक काटा. श्योबाई कहती है कि बेहतर खानपान और सेहत की देखभाल के साथ जिंदगी का शतक करना मुश्किल नहीं होता. श्योबाई इतनी अधिक उम्र होने पर भी बिना किसी सहारे के चलती है और नाच भी लेती हैं. इतना ही नहीं वह प्रधानमंत्री मोदी की भी जबरदस्त फैन हैं. उन्होंने हरियाणावी भाषा में कहा कि 'मोदी बरगा ईसा प्रधानमंत्री कोए न्हीं आया'

पूरे परिवार में है एकता

श्योबाई के परिवार में तीन बेटे- लीलू राम, वेदप्रकाश, सज्जन जांगडा और चार बेटियां- शरदा रानी, कमला रानी, रोशनी, बाला देवी हैं. इसके अलवा उनके 15 पोते और पड़-पोते हैं. उनकी बेटियों का कहना है कि उनकी मां ने हमेशा से ही सादा खाना खाया है और मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं. अपने आप ही सारा काम करती हैं. उनकी याददाश्त भी बरकरार है. उनकी बेटियों ने कहा कि उनकी मां के कारण ही आज पूरे परिवार में एकता है. बता दें कि श्योबाई को बीडीओ द्वारा सबसे बुर्जग महिला का सम्मान भी मिल चुका है.

उत्तराखंड मदरसों के छात्र बनेंगे आईएएस, आईपीएस डॉक्टर और इंजीनियर : मुफ्ती शमून कासमी

उत्तराखंड के राज्यपाल मेजर जनरल गुरमीत सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने मुफ्ती साहब के मदरसा सुधार कार्यक्रम और राष्ट्रवाद से जोड़ने की कोशिशों की सराहना की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 जनवरी , शहीद भगत सिंह कॉलोनी स्थित उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा मुफ्ती शमून कासमी की अध्यक्षता में हरिद्वार जिले के मदरसा प्रधानाचार्यों एवं संचालकों की बैठक ली गई। मदरसो की समस्याओं के संबंध में चर्चा की गई और बोर्ड द्वारा इसे गंभीरता से लिया गया। मुफ्ती शमून कासमी ने आवश्यक निर्देश दिए और मदरसा प्रशासकों से कहा कि वे समय-समय पर शासन द्वारा जारी किए गए सभी नियमों और निर्देशों का पालन करें और सभी मदरसा छात्रों की उचित देखभाल करें। कक्षाओं का उचित स्वास्थ्य और स्वच्छता और पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मुफ्ती शमून कासमी ने कहा की मदरसा के छात्रों को पारंपरिक इस्लामी शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा भी दी जाएगी ताकि मदरसा के छात्रों वर्तमान समय की जरूरतों को पूरा कर सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रसबका साथ-सबका विकासर और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण एक हाथ में कंप्यूटर और दूसरे हाथ में कुरान के सपने को पूरा करने में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद मदरसा छात्रों के मुद्दों और समस्याओं को सख्ती से उठा रहा और उनकी समस्या के निवारण के लिए काम कर रहा है। बोर्ड उत्तराखंड मदरसों में कौशल शिक्षा शुरू करने की योजना बना रहा है। उत्तराखंड के मदरसों में कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासरूम बनाए जाएंगे। परिषद अल्पसंख्यकों समाज सहित, सर्वांगीण विकास के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के कार्यान्वयन पर काम कर रहा है। मदरसों में जल्द ही कंप्यूटर शिक्षा होगी, जिसमें छात्रों को कौशल आधारित आधुनिक शिक्षा प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उत्तराखंड_मदरसा परिषद मुसलमानों को मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रहा है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से मुस्लिम समुदाय लाभान्वित हैं और गरीबी से समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में मुस्लिम समुदाय विकास की ओर बढ़ रहा है और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार सभी नागरिकों के कल्याण के लिए काम कर रही है। मदरसा बोर्ड के छात्र भी सरकारी और निजी क्षेत्र की नौकरियों में शामिल होकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। उज्वला योजना, जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी गरीब लोग हैं जिनमें अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। गरीब और वंचित मुसलमानों को आयुष्मान भारत का लाभ मिल रहा है और 5 लाख तक का इलाज मुफ्त में हो रहा है इसी तरह पीएम आवास योजना के तहत पक्के मकान बनाए गए हैं।

मुफ्ती शमून क़ासमी ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों के हितों को लेकर गंभीर है और मदारस बोर्ड लगातार समकक्षता के लिए काम कर रहा है! और इस तरह की बैठकें जारी रहेंगी और मदरसा प्राचार्यों और प्रशासकों की ओर से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। मुस्लिम समाज वर्तमान सरकार के प्रति सकारात्मक है। बैठक के दौरान मोहम्मद यामीन डिप्टी रजिस्ट्रार मदरसा बोर्ड मोहम्मद खुर्शीद, हारुन रशीद और अन्य मौजूद थे।

श्री मुफ्ता शमून कासमा, मा0 अध्यक्ष, उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा पारषद, दहरादून का अध्यक्षता में जनपद हरिद्वार के मदरसा प्रबन्धकों/प्रधानाध्यापकों की दिनांक 06 जनवरी, 2024 (शनिवार) प्रातः 11:00 बजे की बैठक में उपस्थिति का विवरणः–

क्रम सं0	बैठक में उपस्थित
1.	जनाब,मुफ्ती शमून कासमी सहाब मा0 अध्यक्ष,उ0म0शि0प0,देहरादून।
2.	जनाब अब्दुल यासीन साहाब उप रजिस्ट्रार, उ0म0शि0प0,देहरादून।
3.	जनाब, एहतिशाम कासमी सहाब
4.	जनाब, सलमान कासमी सहाब
5.	जनाब, नवाज कासमी सहाब
	प्रबन्धक/प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों का नाम एवं मदरसे का नाम
6.	अरशद हुसैन, मदरसा अरबिया रहमानिया, रूड़की, हरिद्वार।
7.	मौ0 इमरान
8.	मुनव्वर हसन, प्रबन्धक ,मदरसा आरजू पब्लिक स्कूल,हरिद्वार
9.	इमरान, अध्यापक, मदरसा जामीया खतीजा कबरा ,रूड़की।
10.	काजी यूसुफ
11.	मौ0 अब्दुरहमान, मैनेजर,मदरसा जेहालीया पब्लिक स्कूल।
12.	मुजम्मिल हुसैन,मैनेजर, मदरसा इस्लामिया, सिकरौदा।
13.	फैजान–उल–हक,प्रधानाचार्य, महदल करआन अल करीम,हसनावाला,हरिद्वार।
14.	मौ0 सुफीयान,मदरसा बदरीया अजीजुल उलूम,खेडी,हरिद्वार।
15.	मौ0 शेर खान, मदरसा मैहबूबीया, हजाराग्रांट।
16.	शमीम अहमद
17.	मौ0 वसीम
18.	मौ0 जीशान,सहायक अध्यापक,मदरसा जमीया इस्लाहुल उलूम,लंढौरा।
19.	मौ0 आजाद,प्रबन्धक,मदरसा इस्लामीया शिरवाहउल इस्लाम,वक्कनपुर।
20.	मौ0 असिफ, सहायक अध्यापक,मदरसा जामीया इस्लामीया।
21.	मदरसा गुलशने तालीम,नेहन्दपुर।
22.	मदरसा जन्नतुल निशा, सुल्तानपुर।
23.	मदरसा गरीब नवाज, हरिद्वार।
24.	मदरसा जमन्ना–ए–तालीम,हरिद्वार।
25.	मदरसा जामीया अदबीयात,हरिद्वार।
26.	मदरसातुल उलूम,सुल्तानपुर।
27.	मदरसा फलाहे दारेन,भारापुर।
28.	मदरसा आयशा सिददीका,लण्ढौर।
29.	मदरसा नूर–ए–हिदायत।
30.	मदरसा जामीया इस्लामीया।
31.	मदरसा फैज–ए–हिदायत।
32.	मदरसा गरीब नवाज, साबरीया।
33.	मदरसा बहारे चमन,भागेपुर।
34.	मदरसा ख्वातीन–ए–मिल्लत, सुल्तानपुर।
35.	मदरसा जामीया रहीम बख्श, बिझौली।
36.	मदरसा फातीमा जू0हा0 स्कूल,मखीयालीकला लक्सर, हरिद्वार।
37.	प्रबन्धक, मदरसा जामिया साबरीया लतीफीया,बेडपुर पिरान कलियर।
38.	प्रबन्धक,मदरसा नूर–ए–शान, नसीरपुरकला,हरिद्वार।

क्या है नवजात हाइपोग्लाइसीमिया? जानिए कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , नवजात हाइपोग्लाइसीमिया, नवजात शिशुओं में निम्न रक्त शर्करा के स्तर से चिह्नित एक स्थिति, एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है, खासकर मधुमेह वाली माताओं से पैदा हुए शिशुओं में। चूँकि रक्त शर्करा शिशु की ऊर्जा और मस्तिष्क के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए इन कमजोर शिशुओं की भलाई सुनिश्चित करने के लिए इस मुद्दे को समझना और संबोधित करना सर्वोपरि हो जाता है।

मधुकर रेनबो चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में एमबीबीएस, एमएस ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी की सीनियर कंसल्टेंट डॉ. साक्षी गोयल के अनुसार, मधुमेह से पीड़ित माताओं से पैदा होने वाले शिशुओं, चाहे वह गर्भकालीन हो या पहले से, में नवजात हाइपोग्लाइसीमिया विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। मधुमेह मां और विकासशील भ्रूण दोनों में इंसुलिन के उत्पादन को प्रभावित कर सकता है, जो रक्त शर्करा को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार हार्मोन है। परिणामस्वरूप, जन्म के तुरंत बाद शिशुओं को रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर बनाए रखने में कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।

नवजात शिशुओं में हाइपोग्लाइसीमिया विभिन्न कारकों के कारण हो सकता है, जैसे अपर्याप्त ग्लाइकोजन भंडार, अकुशल ग्लूकोज उत्पादन, या बच्चे के तेजी से बढ़ते शरीर द्वारा ग्लूकोज के उपयोग में वृद्धि। मधुमेह से पीड़ित माताओं से जन्मे बच्चे विशेष रूप से अतिसंवेदनशील होते हैं क्योंकि मां के ऊंचे रक्त शर्करा के जवाब में उनके शरीर में इंसुलिन का उच्च स्तर प्रसारित होता है।

समय से पहले जन्म, जन्म के समय अधिक वजन (मैक्रोसोमिया), और गर्भावस्था के दौरान मातृ हाइपरग्लेसेमिया जोखिम को और बढ़ा देता है। इसके अतिरिक्त, मधुमेह को प्रबंधित करने के लिए उपयोग की जाने वाली कुछ दवाएं प्लेसेंटा को पार कर सकती हैं और बच्चे के रक्त शर्करा विनियमन को प्रभावित कर सकती हैं।

नवजात हाइपोग्लाइसीमिया के लक्षणों को पहचानना शीघ्र हस्तक्षेप के लिए महत्वपूर्ण है। जोखिम वाले शिशुओं में घबराहट, खराब भोजन, सुस्ती, चिड़चिड़ापन या दौरे भी पड़ सकते हैं। उच्च जोखिम वाले नवजात शिशुओं में रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी करना, विशेष रूप से जन्म के बाद पहले कुछ घंटों के दौरान, समय पर पता लगाने और प्रबंधन के लिए आवश्यक है।

नवजात हाइपोग्लाइसीमिया के प्रबंधन में अक्सर रक्त शर्करा के स्तर की सावधानीपूर्वक निगरानी करना और जरूरत पड़ने पर बच्चे को पूरक आहार या अंतःशिरा ग्लूकोज प्रदान करना शामिल होता है। स्तनपान को प्रोत्साहित किया जाता है, लेकिन कुछ मामलों में, रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने के लिए फॉर्मूला फ़ीड या अंतःशिरा ग्लूकोज आवश्यक हो सकता है।मेडिकल टीम नवजात हाइपोग्लाइसीमिया का आकलन और प्रबंधन करने, प्रत्येक शिशु की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप हस्तक्षेप करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शुरुआती दिनों के दौरान निरंतर ग्लूकोज की निगरानी और करीबी निरीक्षण बच्चे के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए मानक अभ्यास हैं।

कुछ ही मिनटों के गैप में पैदा हुए जुड़वा बच्चे फिर भी दोनों में आ गया एक साल अंतर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी ,न्यू जर्सी (New Jersey) के एक जोड़े ने अपने जुड़वां बच्चों (Twins) के जन्म का जश्न दो अलग-अलग दिनों में ही नहीं दो अलग-अलग सालों में मनाया. एव्रा हम्फ्री ने 31 दिसंबर को रात 11.48 बजे अपने पिता बिली हम्फ्री के साथ अपना जन्मदिन साझा करते हुए दुनिया में जन्म लिया. जिस दिन एव्रा का जन्म हुआ उसी दिन उसके पिता 36 साल के हो गए और दोनों का अगला जन्मदिन अब एक साथ बनाया जाएगा. वहीं इस परिवार के लिए अभी एक तोहफा और बाकी था. एक घंटे से भी कम समय के बाद, जैसे ही घड़ी ने नए साल की शुरुआत करते हुए आधी रात को दस्तक दी, उनके जुड़वां ईजेकील का जन्म 1 जनवरी को सुबह 12.28 बजे हुआ.

माता-पिता ने जताई खुशी

जुड़वा बच्चों के पिता ने अपने जन्मदिन पर अपने कम से कम एक बेटे के जन्म के विशेष उपहार को ध्यान में रखते हुए, गुड मॉर्निंग अमेरिका पर अपनी खुशी व्यक्त की. जुड़वा बच्चों की मां, 34 वर्षीय ईव हम्फ्रे ने अपने नवजात शिशुओं के बारे में अपना उत्साह शेयर करने के लिए इंस्टाग्राम पर लिखा, 'वे इतने खास हैं कि वे एक ही वर्ष में पैदा होने के बारे में भी

साझा नहीं कर सकते.'

यूजर्स ने दे रहे बधाई

इस कपल के जुड़वा बच्चों के होने का ये अनोखा किस्सा चर्चा में आ गया है और सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट को लेकर बातें हो रही हैं. लोग इस कपल को शुभकामनाएं दे रहे हैं, साथ ही इस कॉइंसिडेंट को अनोखा और कमाल का बता रहे हैं. परिवार में न केवल जुड़वा बच्चों के आने की खुशी है, बल्कि उनके दो अलग-अलग सालों में पैदा होने को लेकर इन दोनों को स्पेशल और यूनिक माना जा रहा है.

ट्रैफिक निदेशक मुख्तार मोहसिन की पहल सड़कों पर लगे डिजिटल स्पीड साइन बोर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 जनवरी , ओवर स्पीड वाहनों पर कड़ी नजर रखने के लिए पुलिस ने सड़क किनारे डिजिटल स्पीड साइन बोर्ड लगा दिए हैं. देहरादून, हरिद्वार, यूएसनगर और नैनीताल जिले में यह बोर्ड लगाए गए हैं. पहले चरण में वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है. भविष्य में चालान किए जाएंगे.

दरअसल, प्रदेशभर में ओवरस्पीडिंग सड़क हादसे का बड़ी वजह बन चुकी है. अफसरों के अनुसार, 80 फीसदी से ज्यादा हादसे ओवरस्पीड के कारण हो रहे. हालांकि, पुलिस और परिवहन

विभाग इंटरसेप्टर, एएनपीआर कैमरे और स्पीड रडार गन से ओवरस्पीड वाहनों के चालान कर रहे हैं. इसके बावजूद सड़क हादसे कम ही नहीं हो रहे हैं. लिहाजा, पुलिस ने अब सड़क किनारे डिजिटल स्पीड साइन बोर्ड लगाने शुरू कर दिए हैं. पहले चरण में प्रदेशभर में दस बोर्ड लगाए गए हैं.

यहां लगाए गए बोर्डः दून में हरिद्वार बाईपास रोड पर निलाय हिल्स अपार्टमेंट, राजपुर रोड पर सनराइज होटल के पास और ईसी रोड पर आराघर के पास यह बोर्ड लगाया गया है. इसके अलावा हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी सिंहद्वार, झबरेड़ा तिराहा मंगलौर, भगवानपुर फ्लाईओवर, यूएसनगर में गदरपुर बाजार, पुलिस आउट पोस्ट बरा थाना पुलभट्टा, लालपुर मार्केट किच्छा, नैनीताल जिले में दाबका से कालाढुंगी रिजॉर्ट के पास भी बोर्ड लगाया.

वहीं मुख्तार मोहसिन, निदेशक-ट्रैफिक उत्तराखंड बताते हैं कि इन साइन बोर्डों की मदद से वाहन चालकों पर गति नियंत्रित करने का मनोवैज्ञानिक दबाव बनेगा. यदि किसी वाहन की गति ज्यादा होती तो साइन बोर्ड पर देखते ही ड्राइवर वाहन की रफ्तार कम करेगा. इससे सड़क हादसों में कमी आएगी.

'परीक्षा पे चर्चा' : अब तक एक करोड़ से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के सातवें संस्करण के लिए अब तक एक करोड़ से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. पिछले साल यह आंकड़ा 38.8 लाख था. इस वर्ष 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) कार्यक्रम 29 जनवरी को 'भारत मंडपम' में आयोजित किया जाएगा, जहां प्रधानमंत्री देश और विदेश के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत करेंगे.प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से दो विद्यार्थियों एवं एक शिक्षक और कला उत्सव तथा वीर गाथा प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य कार्यक्रम के लिए विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जा सकता है.'माइगव' पोर्टल पर उनके प्रश्नों के आधार पर लगभग 2,050 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा और उन्हें एक विशेष 'परीक्षा पे चर्चा' किट प्रदान की जाएगी.

शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने

कहा कि पीपीसी को लेकर देशभर में छात्रों के बीच व्यापक उत्साह देखा जा रहा है. पहला पीपीसी 2018 में आयोजित किया गया था, जहां 22,000 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था और पिछले साल यह संख्या बढ़कर 38 लाख से अधिक हो गई थी.अधिकारी ने कहा, ''इस वर्ष, कार्यक्रम 29 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे से भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान में आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम में लगभग 4,000 प्रतिभागी प्रधानमंत्री से बातचीत करेंगे.'' उन्होंने बताया कि शुक्रवार तक 90 लाख से अधिक विद्यार्थियों, आठ लाख से अधिक शिक्षकों और लगभग दो लाख अभिभावक पंजीकरण करा चुके हैं.

इस गांव में 3 फीट के बाद नहीं बढ़ती किसी भी बच्चे की लंबाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 जनवरी : ऐसे तो दुनिया में हर तरीके के लोग देखने को मिलते हैं। जैसे किसी की लंबाई कम होती है तो किसी की ज्यादा। कोई मोटा होता है तो कोई पतला। लेकिन क्या आपने कभी किसी ऐसे गांव को बारे में सुना है जहां लोगों को लंबाई न बढ़ने का श्राप मिला है। यहां किसी भी बच्चे की लंबाई तीन फीट से ज्यादा नहीं होगी।जी हां, ये अनोखा गांव चीन के शिचुआन प्रांत में स्थित है। इसको यांग्सी कहा जाता है। कहा जाता है कि इस गांव को श्राप मिला है कि यहां किसी की भी लंबाई तीन फीट से ज्यादा नहीं होगी। यहां के बच्चों की लंबाई सिर्फ सात साल तक ही बढ़ती है, इसके बाद बच्चों की उम्र तो बढ़ती है लेकिन उनकी लंबाई बस तीन फीट ही रह जाती है। इस वजह से इस गांव को बोनो का गाँव कहा जाता है। हर तरफ इस अनोखे गांव की चर्चा होने लगी तो कुछ वैज्ञानिकों ने यहां के लोगों पर रिसर्च कर ये जानना चाहा कि आखिर इसके पीछे क्या कारण है। लेकिन इस काम में उन्हें कोई खास कामयाबी हासिल नहीं हो सकी। यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि इस गांव को आज से नहीं बल्कि सदियों पहले एक शाप मिला था, जिसकी वजह से यहां के बच्चों की लंबाई आज भी नहीं बढ़ रही है।

BJP का 'नवमतदाता' अभियान लोकसभा चुनाव से पहले होगा शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा हर मोर्चे पर कमर कस चुकी है. इस कड़ी में पार्टी जनवरी में मतदाताओं तक पहुंचने के लिए नया अभियान शुरू करने जा रही है. जिसका नाम नवमतदाता अभयिान है. इसके तहत पार्टी ने देश भर में लगभग 5,000 सार्वजनिक बैठकें आयोजित करने की योजना बनाई है. इस अभियान को लागू करने की जिम्मेदारी बीजेपी युवा मोर्चा पर होगी.

एक करोड़ नए वोटर्स तक पहुंचने का लक्ष्य

दरअसल, 2024 के चुनावों के देखते हुए बीजेपी युवा मोर्चा जल्द ही बड़े पैमाने पर 'नवमतदाता' आउटरीच कैंपेन को शुरू करने जा रही है. इसी महीने देश भर में 5,000 बैठकें की जाएंगी, जिसमें आम जनता को जोड़ा जाएगा. इस अभियान के चलते भाजपा युवा मोर्चा पार्टी एक करोड़ नए वोटर्स तक पहुंचने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेगी. बता दें कि हर चुनावों में पार्टी नए वोटर्स को जोड़ने के लिए अभियान चलाती है.

कहां-कहां जाएगी टीम?

नव मतदाता अभियान के तहत भाजपा युवा

मोर्चा की टीम उन सभी स्थानों पर जाएगी जहां युवा मौजूद हैं. जैसे कॉलेज कैंपस, कोचिंग सेंटर, स्टेडियम आदि. इस दौरान युवा मोर्चा सरकार की लाभकारी योजनाओं की जानकारी युवाओं को देगी. नए मतदाताओं को उन सभी कामों के बारे में भी अवगत कराएगी जो सरकार उनके लिए कर रही है. 8, 9, 10 और 11 जनवरी को युवा मोर्चा नव मतदाता अभियान की कमान संभालेगी.

PM Awas Yojana में करना चाहते हैं आवेदन तो भूलकर भी ना करें ये गलती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 जनवरी , हर किसी का सपना होता है कि उसका अपना खुद का एक पक्का मकान हो जिसमें वह अपने परिवार वालों के साथ आराम से जीवन बीता सके. लेकिन कई लोगों की आर्थिक स्थिति ठीन ना होने की वजह से उनका ये सपना साकार नहीं हो पाता है. इन्हीं गरीब और असहायों के सपने को पूरा करने के लिए 'प्रधानमंत्री आवास योजना' चलाई जा रही है. इस बीचआवास विकास परिषद द्वारा निर्माणाधीन पांच आवासीय परियोजना के लाभार्थियों को ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से आवास आवंटित किए गए.

ऑनलाइन लॉटरी के जरिए बांटे गए घर

आवास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि 'आवास विभाग द्वारा योजना के तहत कुल 20 परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है.' उन्होंने बताया कि आवास आवंटन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए जाने के लिए ऑनलाईन लॉटरी के माध्यम से आवास आवंटन किए जा रहे हैं.

कहां कितने आवास आवंटित किए गए ?

मंगलौर रुड़की आवासीय परियोजना में 542, अनेकीहेत्तमपुर परियोजना हरिद्वार में 845, उमेधपुर-रामनगर आवासीय परियोजना नैनीताल में 390, महुवाखेड़ागंज उधमसिंह नगर में 98, मानपुर

आवासीय परियोजना काशीपुर में 108 इकाईयों सहित कुल 1983 लाभार्थियों को आवास आवंटित किए गए. इसके अलावा आपको बता दें कि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को प्राथमिकता प्रदान करते हुए भूतल में आवास बांटे गए.

कौन उठा सकता है इसका फायदा?

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अगर आप पात्र हैं और आपका कच्चा मकान है तो सरकार की तरफ से आपको पक्का घर बनाने के लिए आर्थिक मदद दी जाती है. ऐसे में अगर आप भी आवेदन करने जा रहे हैं, तो ध्यान दें कि आपके घर में लैंडलाइन कनेक्शन या फ्रिज नहीं होना चाहिए. इसके अलावा अगर आपके पास ढाई एकड़ या उससे ज्यादा जमीन, 50 हजार से ज्यादा रुपये, किसान कार्ड या फिर घर में कोई सरकारी नौकरी वाला है तो इस योजना का लाभ नहीं उठा सकते हैं. अगर इसके बावजूद भी आपको आवेदन करते हैं तो ये रद्द कर दिया जाता है.

संपादकीय

साइबर अपराधों का वार

ऑन लाइन सेवाओं के विस्तार ने हमारे जीवन को जितना सुगम व सरल बनाया है, उतना ही खतरा साइबर अपराधों का भी बढ़ा है। दरअसल, देश में साइबर अपराधों पर शिकंजा कसने में देरी और लोगों में जागरूकता की कमी से भी अपराधी अपने मंसूबों में कामयाब हो जाते हैं। यह खबर परेशान करने वाली है कि देश में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ व हरियाणा में साइबर अपराध की दर सबसे ज्यादा है। बल्कि हरियाणा में मेवात साइबर अपराधों के जरिये वसूली का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। यह स्थिति कितनी चिंताजनक है कि पिछले तीन साल में वित्तीय धोखाधड़ी में दस हजार तीन सौ नब्बे करोड़ रुपये का चूना लोगों को लगा। कमोबेश साइबर अपराधियों के सुनियोजित गिरोहों द्वारा लोगों के विश्वास के साथ छल करके खून-पसीने की कमाई पर हाथ साफ किया जा रहा है। लोग शातिर अपराधियों के भ्रमजाल में फंस जाते है और उसकी बड़ी कीमत चुकाते हैं। यह समस्या कितना जटिल रूप ले चुकी है कि देश में एक लाख की आबादी पर 129 साइबर अपराध दर्ज किए गए हैं। लेकिन इसकी संख्या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रति लाख आबादी पर 755, चंडीगढ़ में 432 तथा हरियाणा में 381 है। इन स्थानों पर ज्यादा साइबर क्राइम होने की एक वजह यह भी है कि ऑनलाइन विकल्पों के प्रति जागरूकता के चलते अधिक लोग इन सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। वैसे साइबर क्राइम की छद्म प्रवृत्ति से अनभिज्ञ लोग भी जल्दी अपराधियों के झांसे में फंस जाते हैं। हालांकि, देश की केंद्रीय एजेंसियां लगातार अपराधियों पर नजर रखे हुए हैं और निरंतर इनके खिलाफ अभियान चलाती रहती हैं। मेवात सहित कई राज्यों में साइबर क्राइम के खिलाफ बड़े अभियान चलाए गए हैं। राष्ट्रीय एजेंसियों ने 2.9 लाख फर्जी सिम, 2810 गलत मंशा से चलाए जा रहे यूआरएल और 595 मोबाइल ऐप्स ब्लॉक किए हैं। लेकिन इसके बावजूद कहना कठिन है कि साइबर क्राइम इन कार्रवाइयों से कम हुए हैं। दरअसल, साइबर अपराधी पुलिस व जांच एजेंसियों की सक्रियता के बावजूद अपनी गतिविधियों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। साइबर अपराधों का दायरा इतना विस्तृत व जटिल है कि पुलिस भी उन पर आसानी से हाथ नहीं डाल सकती। असल में, अपराध की दुनिया में साइबर अपराध की शुरुआत एक नया खतरा है, जिसके लिए हम अपनी पुलिस को पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं कर पाए हैं। साथ ही नागरिकों को भी इस भ्रमजाल से बचने के लिये पर्याप्त रूप से जागरूक करने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर अपराध का स्वरूप देखें तो वर्ष 2023 में सभी साइबर अपराधों में 38 फीसदी धोखाधड़ी निवेश से संबंधित थी। इसके बाद ग्राहक सेवा या रिफंड लौटाने के नाम पर जरूरी जानकारी लेकर फ्राड करने अथवा केवाईसी समाप्ति संबंधी झूठी सूचना देकर ठगने के मामले प्रकाश में आए। इतना ही नहीं सेक्सटॉर्शन के जरिये भी धन वसूली के बहुत मामले प्रकाश में आए। इसमें वीडियो कॉल के जरिये लोगों के चित्र को अश्लील दृश्यों से जोड़कर बदनाम करने की धमकी देकर धन वसूला जाता है। यही वजह है कि साइबर विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि अनजान वीडियो कॉल का जवाब न दें।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

क्या आप भी टॉयलेट में चलाते हैं फ़ोन, तो हो जाएं सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 जनवरी : अक्सर लोग अपने स्मार्टफोन को हर जगह अपने साथ लेकर जाते हैं। फिर चाहे वो किचन हो या फिर बाथरूम। कुछ लोग एक पल के लिए भी अपना मोबाइल अपने आप से दूर नहीं रखतें। ऐसे में जब वो टॉयलेट जाते है तो मोबाइल को भी साथ ले जाते है। वहां कमोड पर बैठकर घंटों तक फ़ोन चलाते रहते है।

टॉयलेट में फोन चलाने के नुकसान\

एक्सपर्ट्स की माने तो ये आपकी सेहत के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। अगर आप भी अपना मोबाइल टॉयलेट लेकर जाते है तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है। इसमें हम आपको टॉयलेट में मोबाइल फोन ले जाने के साइड इफेक्ट्स बताएंगे। तो चलिए जानते है टॉयलेट में फोन ले जाने के नुकसान

टॉयलेट में मौजूद ढेर सारे बैक्टीरिया और जर्म्स

टॉयलेट में मोबाइल फोन लेकर जाना आपकी सेहत के लिए काफी नुक्सानदायक हो सकता है। टॉयलेट में ढेर सारे बैक्टीरिया और जर्म्स पाए जाते हैं। चाहे फिर वो टॉयलेट सीट हो, फ्लश का बटन हो या फिर टॉयलेट में मौजूद नल ही क्यों न हो।

इन सब में ढेर सारे बैक्टीरिया और जर्म्स पनपते है। ऐसे में टॉयलेट में जब आप फ़ोन का इस्तेमाल करते है और उसके बाद इन सभी चीज़ों को छूतें है तो ये सारे बैक्टीरिया आपके हाथ से फ़ोन पर आ जाते है। जिसके बाद वो फ़ोन से शरीर के अंदर चले जाते है।मांसपेशियों में अकड़नजर्म्स के अलावा

अगर आप घंटों तक टॉयलेट की कमोड पर बैठकर फ़ोन का इस्तेमाल करते है तो इससे आपकी मांसपेशियों में अकड़न आ जाती है। जिससे आपको घुटनों व कमर में दर्द की समस्या भी शुरू हो सकती है।

टॉयलेट में जितना कम समय, उतने स्वस्थ आप

सुबह फ्रेश होने के लिए एक एवरेज व्यक्ति को दो से पांच मिनट का समय लगता है। आयुर्वेद भी इस बात को मानता है की आपका जितना जल्दी पेट साफ़ हो उतना आपकी सेहत के लिए अच्छा होता है।लेकिन ज्यादातर लोग टॉयलेट में फ़ोन का इस्तेमाल करते है जिससे वो आधे या एक घंटा टॉयलेट में ही बिता देते है। फ़ोन चलाने की वजह से लोग ठीक से फ्रेश भी नहीं हो पाते हैं।

पाइल्स जैसी गंभीर बीमारी को न्योता

टॉयलेट में ज्यादा देर बैठे रहने से रेक्टम यानी मलाश पर असर पड़ता है। रेक्टम पर अधिक जोर पड़ने से पाइल्स या बवासीर जैसी गंभीर बीमारी उन लोगों को हो सकती है जो लोग ज्यादा देर तक टॉयलेट में समय बिताते है।मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है असर

रिसर्च के मुताबिक टॉयलेट में फोन ले जा कर घंटों समय बिताने से मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। टॉयलेट में कई लोग गहरी सोच करते है। साथ ही जिंदगी के बड़े बड़े प्लान भी सोचते है ऐसे में जब आप पहने लेकर टॉयलेट जाते है तो आप कुछ सोच नहीं पातें। कुछ अलग सोचने की बजाएं अपना समय आप मोबाइल में बर्बाद कर देते है। ये आपके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान पुलिस कर्मियों के स्मार्ट फोन बैन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 जनवरी , डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह और गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा स्मार्ट फोन का इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने फील्ड ड्यूटी के दौरान स्मार्ट फोन का इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति पर नाराजगी भी जताई है।डीजी ने सभी पुलिस आयुक्त और जिलों के कप्तानों को शुक्रवार को इस बाबत जारी निर्देशों में कहा कि ड्यूटी के दौरान पुलिस कर्मी स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने की वजह से काम पर ध्यान नहीं देते हैं। आगामी 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह और उसके बाद गणतंत्र दिवस समारोह है, जो सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है।इस दौरान संवेदनशील इलाकों और महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा ड्यूटी में लगाए जाने वाले पुलिसकर्मियों को स्मार्ट फोन का इस्तेमाल नहीं करने के बारे में आगाह कर दिया जाए। बेहद आवश्यक कार्य होने पर ही फोन से वार्तालाप किया जाए।

भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा द्वारा सशक्त बहना सम्मेलन का आयोजन किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 08 जनवरी : कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महिला मोर्चे की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा गुप्ता ने सभी महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिलाओं को सशक्त बनाने में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का महत्वपूर्ण योगदान है। 2014 के बाद नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश में कई विकास कार्य किया जा रहे हैं सर्वप्रथम महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए नरेंद्र मोदी जी ने शौचालय बनाने से लेकर उज्जवला गैस कनेक्शन देने तक महिलाओं को एक सम्मान देने का काम किया है आज जहां महिलाएं इस देश का नेतृत्व कर रही है इसमें भी मोदी जी का बहुत बड़ा योगदान है 2014 में जब देश की जनता ने नरेंद्र मोदी जी पर अपना भरोसा जताया और केंद्र में सरकार बनी उसके बाद से आज तक विकास की गति ने तेज रफ्तार पकड़ी है चाहे वह देश की आर्थिक सुरक्षा हो सड़के हो आवास हो हर क्षेत्र में प्रत्येक व्यक्ति का विकास हो इसके लिए मोदी जी निरंतर कार्यरत हैं। आज देश में मोदी जी के नेतृत्व में सभी महिलाओं को विश्वास है कि उनके सम्मान के लिए निरंतर कार्य किया जा रहे हैं।

कार्यक्रम में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री दीप्ति रावत जी ने सभी कार्यकर्ताओं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज यह महिला सशक्तिकरण बैठक एक नई ऊर्जा के साथ महिलाओं को कम करने के लिए अग्रसित करेगी और भारतीय जनता पार्टी को मजबूत बनाएगी। आज हम सभी सौभाग्यशाली है कि हमें हमें नरेंद्र मोदी जी जैसा नेतृत्व करने वाला भाई नेता मिला है जो निरंतर इस देश को विकसित बनाने में कार्य कर रहा है जब यह देश विकसित होगा तो उसे देश का प्रत्येक व्यक्ति भी विकास की गति में अपनी भूमिका निभाएगा उसका विकास होगा आज महिलाएं भी सशक्त मजबूत बना रही है मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए अनेकों अनेक कार्य किया जा रहे हैं चाहे उन्हें लखपति दीदी बनाने का निर्णय हो या स्वरोजगार की बातें हो आज उत्तराखंड में भी हमारी

कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया साथ ही महिला कार्यकर्ताओं द्वारा प्रभु श्री राम के भजन के साथ वातावरण राम मय हुआ।

महिलाएं नए-नए रोजगार के साथ आगे बढ़ रही है हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी के नेतृत्व में प्रदेश की महिलाओं के लिए कई लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं जिससे उन्हें समाज में रहने और कार्य करने के लिए सहयोग प्राप्त होता है।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अयोध्या में श्री प्रभु राम जी का भव्य मंदिर निर्माण किया जा रहा है हम सभी जानते हैं 22 जनवरी को प्रभु राम अपने भव्य मंदिर में स्थापित होने वाले हैं हम सभी को मोदी जी धन्यवाद देना चाहिए।जहां एक और देश विकसित की ओर आगे बढ़ रहा है वही आज नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। मोदी जी का कहना है कि आने वाले समय में भारत देश की नंबर तीन की अर्थव्यवस्था में शामिल होगा।

कार्यक्रम में कैंट विधानसभा से विधायक सविता कपूर जी ने भी सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का भव्य स्वागत अभिनंदन किया और साथ में सभी महिला कार्यकर्ताओं से आवाहन किया कि हम सभी महिलाएं आने वाले लोकसभा चुनाव में संकल्प लेते हैं कि नरेंद्र मोदी जी को उत्तराखंड से पांचो सीटों में जीत दर्ज कराएंगे।

कार्यक्रम में महिला मोर्चे की प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया और सभी का धन्यवाद किया कि इतनी बड़ी विशाल संख्या में हमारी महिलाएं अपना घर परिवार से समय निकालकर इस सभा में प्रतिभा करने पहुंची हैं मैं इन सभी महिलाओं को धन्यवाद देता हूं आने वाले समय में हम सभी महिलाओं का एक महत्वपूर्ण भूमिका बने इसके लिए हमें सदा लगातार कार्य करते रहेंगे और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जितने भी लाभकारी महिलाओं के लिए योजनाएं चलाई जा रही है हम उनका धन्यवाद देते हैं साथ ही प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी के नेतृत्व में आज उत्तराखंड राज्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है उत्तराखंड का गौरव बढ़ रहा है और मोदी जी की गारंटी जो महिलाओं के साथ हमेशा बनी है उसके साथ हम सब महिलाओं को मोदी जी को आश्वासन देना है कि हम सभी आपके साथ हैं और आने वाले जितने भी चुनाव होंगे वह सभी भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में होंगे। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट जी ने इस विशाल जनसभा के लिए सभी महिला कार्यकर्ताओं को धन्यवाद किया की इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपना समय निकालकर प्रतिभा किया। टिहरी लोकसभा से सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह जी ने भी इस विशाल कार्यक्रम के लिए सभी महिला कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में महामंत्री संगठन अजय कुमार जी प्रदेश उपाध्यक्ष एवं महानगर प्रभारी कुलदीप कुमार महानगर उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी जी, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल विधायक राजपुर खजान दास विधायक धर्मपुर विनोद चमोली विधायक रायपुर उमेश शर्मा सुनील उनियाल गामा राज्य मंत्री मधु भट्ट ,विनोद उनियाल, नेहा जोशी महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री गीता रावत वंदना ठाकुर महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष अर्चना बागड़ी महामंत्री सुषमा अमित मल्होत्रा आदि सैकड़ो की संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रही।

स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए योग जरूरी : विधायक रुद्रप्रयाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 08 जनवरी : जिलाधिकारी सौरभ गहरवार की पहल पर रुद्रप्रयाग संगम तट को योग केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका आगाज रविवार सुबह जिला स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधियों ने संगम तट पर योग की पहली क्लास लेकर किया।संगम तट पर योग करने पहुंचे रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने जिलाधिकारी के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि भगवान रुद्रनाथ की नगरी में संगम तट पर योगाभ्यास शुरू होना हमारे लिए गर्व की बात है। भगवान नारद की इस तपस्थली का सदुपयोग पहली बार जनपद में शुरू हो सका है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर, मस्तिष्क और भौतिकवाद को त्यागना ही योग का उद्देश्य है और इसके लिए नियमित योगाभ्यास होना जरूरी है।

जिला पर्यटन विभाग के सहयोग से संगम तट को योग केंद्र के रूप में विकसित करने को होंगे प्रयास

■ जिलाधिकारी की पहल पर रुद्रप्रयाग संगम तट पर शुरू हुआ योग

जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने इस प्रयास का श्रेय स्थानीय जनप्रतिनिधियों को देते हुए कहा कि मां गंगा के तट पर योग अभ्यास करना अपने आप में एक आनंद की अनुभूति देता है। उन्होंने सभी लोगों से अपने दिनचर्या में योग अभ्यास को शामिल करने की अपील की। साथ ही अपने आसपास अन्य लोगों को भी योग से जोड़ने को कहा। इस दौरान जिलाधिकारी ने संगम तट पर बने मंदिर एवं आश्रम का निरीक्षण भी किया। उन्होंने जिला पर्यटन अधिकारी को संगम तट को योग केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए अनिवार्य प्रयास करने के निर्देश भी दिए। साथ ही नगर पालिका को सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर योग गुरु मयंक पवार ने योग प्रशिक्षण दिया। जिलाध्यक्ष भाजपा महावीर पंवार ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग मीनल गुलाटी, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग श्रीनगर तनुज कंबोज, रुद्रप्रयाग निर्भय सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सुशील कुरील, व्यक्तिगत सहायक ओम प्रकाश बिष्ट, सौरभ असवाल, तहसीलदार रुद्रप्रयाग राम किशोर ध्यानी, अध्यक्ष व्यापार सभा रुद्रप्रयाग राय सिंह बिष्ट, सभाषद सुरेंद्र सिंह रावत, ग्राम प्रधान मयकोटी अमित प्रणाली सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।